Daily Current Affairs

Date : 23 August, 2025

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	म्यूजियम ऑफ ग्रेस : नाथद्वारा
2.	AI इनोवेशन समिट : 2025 – जयपुर
3.	सोलर पार्क की स्थापना के लिए भूमि आवंटन को स्वीकृति
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. जैसलमेर के मेघा गाँव में जीवाश्म 2. कृमि रोग उन्मूलन हेतु एल्बेंडाजोल दवा 3. राजीविका एवं EESLके मध्य MoU
5.	युवा बौद्ध विद्वानों का तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
6.	मैनुअल स्कैवेंजर के रूप में रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013
7.	एशिया-प्रशांत प्रसारण विकास संस्थान (एआईबीडी)
8.	सस्टेनेबल पावर 1404 अभ्यास
9.	भारत में 4 नए सेमीकंडक्टर संयंत्रों को मंजूरी
10.	'सेरेबो' डिवाइस
11.	गगनयान मिशन की पहली परीक्षण उड़ान : दिसंबर, 2025
12.	यूरेनस के 29 वें चंद्रमा की खोज : NASA

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

13.	गोदावरी नदी में ड्यूटेरियम का उपयोग
14.	ब्लू कार्बन मानचित्रण पहल
15.	राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस
16.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. प्रेस सेवा पोर्टल 2. पहली बार पटरियों के मध्य रिमूवेबल सोलर पैनल सिस्टम 3. वन फ्रीजोन पासपोर्ट 4. अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025 : रीना और प्रिया मलिक 5. चौथा सेमीकॉन इंडिया 2025 6. भारतीय सिनेमा महोत्सव : श्रीलंका 7. अमेरिकी ओपन, 2025

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

म्यूजियम ऑफ ग्रेस : नाथद्वारा

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **हाल ही में, राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने नाथद्वारा (राजसमंद) में निर्मित 'म्यूजियम ऑफ ग्रेस' (पर्यटक व्याख्या एवं सांस्कृतिक केंद्र) का दौरा किया।**

➲ **मुख्य बिन्दु :**

- **विकास : केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की 'स्वदेश दर्शन – कृष्णा सर्किट' योजना के तहत् 23 करोड़ 42 लाख रुपये की लागत से।**
- **स्थान : नाथद्वारा, राजसमंद।**

मुख्य विशेषताएँ:

- **इस म्यूजियम में पुष्टिमार्गीय/वल्लभ संप्रदाय के इतिहास और माहात्म्य को विस्तृत रूप में भव्य चित्रों के माध्यम से श्रव्य एवं दृश्य रूप में दर्शाया गया है।**
- **म्यूजियम में तैयार किए गए डिजिटल प्रतिष्ठानों के माध्यम से पुष्टिमार्ग की कथा को उसकी स्थापना से लेकर वल्लभ-कुल, सेवा और उत्सवों तक क्रमबद्ध रूप से प्रदर्शित किया गया है ।**

वल्लभ/ पुष्टिमार्गी संप्रदाय :

- **उद्भव : पुष्टिमार्ग, मध्यकाल में वैष्णव धर्म के पाँच महान संप्रदायों में से एक के रूप में उभरा।**

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **स्थापना :** श्री वल्लभाचार्य द्वारा की गई लेकिन राजस्थान में वल्लभ संप्रदाय का व्यापक विस्तार औरंगजेब के शासनकाल में हुआ।
- **दार्शनिक आधार :** शुद्धाद्वैत दर्शन या शुद्ध अद्वैतवाद।
- इस संप्रदाय के मंदिरों को हवेली कहा जाता है तथा इनमें हवेली संगीत गाया जाता है।
- इस संप्रदाय में भगवान कृष्ण के बाल स्वरुप की पूजा की जाती है। पुष्टिमार्ग परंपरा कृष्ण को सर्वस्व और सर्वस्व को कृष्ण के रूप में स्वीकार करती है।
- मंदिर की दीवारों पर बने भगवान श्री कृष्ण तथा उनके जीवन से संबंधित चित्र 'पिछवाई' कहलाते हैं।

राजस्थान में इस संप्रदाय के 41 मंदिर है; मुख्य मंदिर:

- **मथुरेश जी मंदिर –** कोटा
- **श्री नाथजी मंदिर –** सिहाड़ (नाथद्वारा, राजसमन्द)
- **द्वारिकाधीश मंदिर –** कांकरोली (राजसमन्द)
- **गोकुलचन्द्र जी मंदिर –** कामां (डीग)
- **मदनमोहन जी मंदिर –** कामां (डीग)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

AI इनोवेशन समिट : 2025 – जयपुर

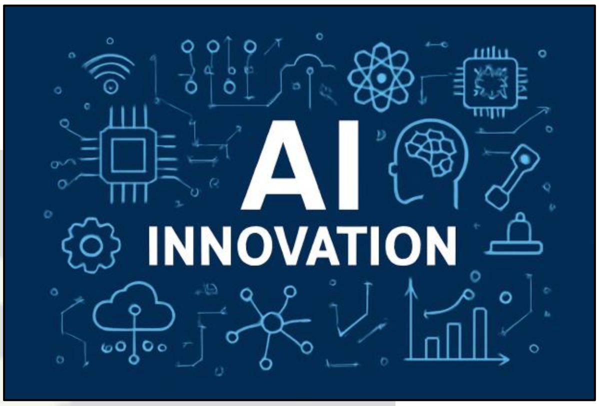

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान, जयपुर शाखा द्वारा 'AI इनोवेशन समिट 2025' का आयोजन किया गया।

➲ मुख्य बिन्दु :

- **आयोजन स्थल :** जयपुर।
- **मुख्य अतिथि :** राजस्थान के मुख्यमंत्री।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'प्राइवेसी इन AI' पुस्तक तथा दो दिवसीय समिट की स्मारिका का विमोचन किया।
- साथ ही, मुख्यमंत्री ने 'दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' के सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए बनाए गए 'AI 2.0' कोर्स का ऑनलाइन शुभारंभ किया।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (आर्थिक समीक्षा – 2024-25):

- राजस्थान ने सिलिकोसिस का जल्द पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का लाभ उठाते हुए टेली-रेडियोलॉजी पहल शुरू की है, जिससे राज्य भर में प्रभावित व्यक्तियों को समय पर उपचार की सुविधा मिल रही है। इस अभूतपूर्व प्रयास के लिए राज्य को वर्ष 2024-25 के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस (गोल्ड) पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- वर्ष 2024-25 के लिए बजट घोषणाओं की अनुपालना में नागरिक केन्द्रित सेवाओं की प्रभावी प्रदायगी के उद्देश्य से राजस्थान में 'SMART' (सर्विस मैनेजमेन्ट विद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड रियल टाइम सिस्टम) प्रोजेक्ट का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत् एक 'गोल्डन डेटाबेस ऑफ सिटीजन' तैयार किया जाएगा, जिसे 'सिंगल सोर्स ऑफ ट्रूथ' के रूप में प्रयोग किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सोलर पार्क की स्थापना के लिए भूमि आवंटन को स्वीकृति

➲ चर्चा में क्यों?

- 22 अगस्त, 2025 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर एवं बीकानेर जिले में अक्षय ऊर्जा आधारित उत्पादन इकाइयों की स्थापना हेतु 'राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड' को भूमि आवंटन के प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की।

➲ मुख्य बिन्दु :

- **जैसलमेर :** जैसलमेर जिले की रामगढ़ तहसील में 5000 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क की स्थापना के लिए कुल 6771.86 हेक्टेयर भूमि एवं 2700 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 5113.99 हेक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति।
- फतेहगढ़ तहसील में 12500 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 14026.87 हेक्टेयर भूमि एवं 6200 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 8582.42 हेक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति।
- **बीकानेर :** बीकानेर जिले की पूगल तहसील के दीनसर व बराला गाँव में 393.04 हेक्टेयर भूमि आवंटित किए जाने की स्वीकृति।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- बीकानेर तहसील के गाँव सवाईसर, बज्जू तहसील के गाँव बिकोलाई तथा पूगल तहसील के गाँव करणीसर भाटियान में कुल 2320.46 हेक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति, 2024:

- राज्य सरकार द्वारा इस नीति की अधिसूचना 04 दिसंबर, 2024 को जारी की गई।
- **नीति की अवधि:** यह नीति अधिसूचना की तारीख से प्रभावी है और 29 मार्च, 2029 तक या किसी अन्य नीति द्वारा प्रतिस्थापित करने तक लागू रहेगी।

लक्ष्य:

- नीति का उद्देश्य राज्य में वर्ष 2029-30 तक 1,25,000 मेगावाट (125 गीगावाट) अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

125 गीगावाट का विभाजन:

क्रम	उत्पादन का प्रकार	लक्षित क्षमता
1.	सौर (Solar)	90,000 MW
2.	पवन और हाइब्रिड (Wind & Hybrid)	25,000 MW
3.	हाइड्रो, पंप स्टोरेज प्लांट (PSP), बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम	10,000 MW

- **नोट:** राजस्थान द्वारा परंपरागत एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से 54 हजार मेगावाट से अधिक विद्युत क्षमता के लक्ष्य को वर्ष 2031-32 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**जैसलमेर के मेघा गाँव में जीवाश्म** ♦ जैसलमेर के मेघा गाँव में हरपाल की तालाब के पास हाल ही में खुदाई में कुछ पत्थर मिले, जो जीवाश्म (Fossils) में परिवर्तित हो चुके हैं। ♦ लकड़ी की तरह सख्त ये पत्थर जीवाश्मों की विशेषता है। साथ ही, इसी स्थान पर हड्डियों का एक ढाँचा भी प्राप्त हुआ है। प्रारंभिक तौर पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि ये अवशेष लाखों-करोड़ों साल पुराने हो सकते हैं। ♦ यद्यपि इसकी आधिकारिक पुष्टि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (ASI) और जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI) के अध्ययन के बाद ही हो सकेगी। ♦ ज्ञातव्य है कि इससे पहले भी जैसलमेर में डायनासोर के अवशेष मिल चुके हैं। यहाँ आकल और बईया गाँवों में डायनासोर के अवशेष मिल चुके हैं।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2.	**कृमि रोग उन्मूलन हेतु एल्बेंडाजोल दवा** ♦ राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम' के तहत् आँगनबाड़ी और विद्यालयों में 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल दवाओं की खुराक दी जा रही है। ♦ प्रदेश में 1 से 19 वर्ष तक के करीब 3 करोड़ 33 लाख बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को एल्बेंडाजोल दवा देने का लक्ष्य रखा गया है।
3.	**राजीविका एवं EESLके मध्य MoU** ♦ 22 अगस्त, 2025 को राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (EESL) के मध्य एक सहमति पत्र (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। ♦ इस साझेदारी का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों और ऊर्जा-कुशल तकनीकों को अपनाने में बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के लिए आजीविका के अवसरों को बढ़ाना है। ♦ इस MoU के तहत् प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की पहल की जाएगी, साथ ही 'सोलर दीदी' जैसी महिला कार्यकर्ताओं की तैनाती भी की जाएगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

युवा बौद्ध विद्वानों का तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

- 22 अगस्त, 2025 को संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में अंतरर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) ने डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में "21वीं सदी में बुद्ध धम्म में ज्ञान संचरण" विषय पर युवा बौद्ध विद्वानों के तीसरे अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICYBS) की मेजबानी की।

मुख्य बिन्दु :

- **भागीदार देश :** इस सम्मेलन में भारत, रूस, वियतनाम, कंबोडिया, श्रीलंका, म्यांमार और ताइवान के विद्वान व भिक्षुओं ने भाग लिया।
- 108 पीस इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ शोधकर्ता येशी दावा ने युवाओं की मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में करुणा की भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि "वियतनाम में पवित्र अवशेष प्रदर्शनी" पर एक वृत्तचित्र दिखाया गया, जिसने इस वर्ष की शुरुआत में 1.78 करोड़ श्रद्धालुओं को आकर्षित किया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- **बौद्ध धर्म के सिद्धांत :**
- **मध्यम मार्ग का सिद्धांत :** दो चरम सीमाओं के मध्य का मार्ग।

चार आर्य सत्य:

- दु:ख संसार का सार है।
- **प्रत्येक दु:ख का कारण -** समुदाय ।
- **दुखों से मुक्ति का मार्ग -** निरोध ।
- इसे आष्टांगिक मार्ग (आठ मार्ग) का अनुसरण करके प्राप्त किया जा सकता है।

आष्टांगिक मार्ग :

- सम्यक् दृष्टि
- सम्यक् वाणी
- सम्यक् आजीविका
- सम्यक् स्मृति
- सम्यक् संकल्प
- सम्यक् कर्मान्त
- सम्यक् व्यायाम
- सम्यक् समाधि

त्रिपिटक

- **विनय पिटक :** भिक्षुओं और भिक्षुणियों के आचरण और अनुशासन के नियम।
- **सुत्त पिटक :** बुद्ध की मुख्य शिक्षा या धम्म।
- **अभिधम्म पिटक :** भिक्षुओं की शिक्षा और विद्वत्तापूर्ण गतिविधि का दार्शनिक विश्लेषण और व्यवस्थितीकरण।
- **महत्वपूर्ण बौद्ध ग्रंथ :** दिव्यावदान, दीपवंश, महावंश, मिलिंद पन्हा आदि ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मैनुअल स्कैवेंजर के रूप में रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने "मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013" (एमएस अधिनियम, 2013) के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए केंद्रीय निगरानी समिति (CMC) की दसवीं बैठक की अध्यक्षता की।

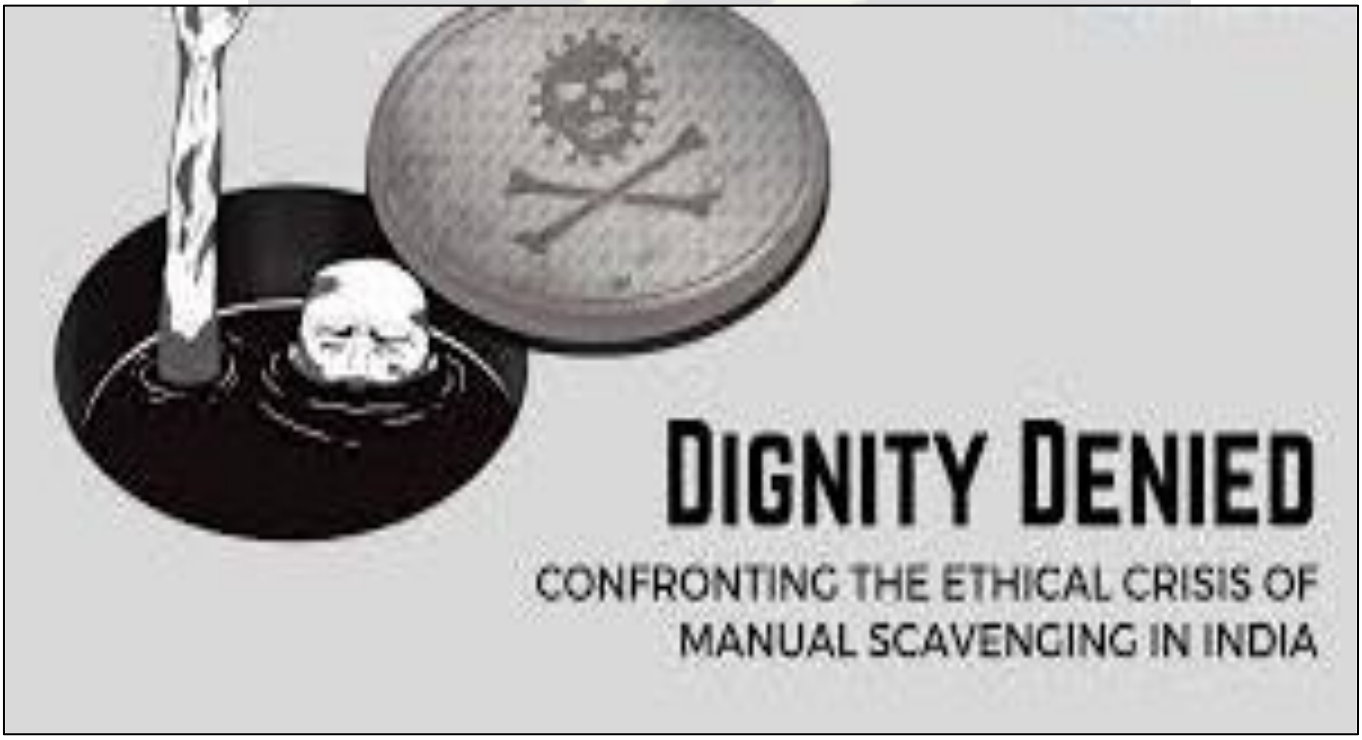

मुख्य बिन्दु :

अधिनियम का उद्देश्य:

- मैनुअल स्कैवेंजर के रूप में रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 का उद्देश्य भारत में मैनुअल स्कैवेंजिंग की प्रथा को पूरी तरह से समाप्त करना और श्रमिकों का पुनर्वास करना है। यह अधिनियम 2013 में संसद द्वारा पारित किया गया था और दिसंबर 2013 से लागू हुआ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

केंद्रीय निगरानी समिति (सीएमसी):

- सीएमसी का गठन इस अधिनियम और संबंधित कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी और समन्वय के लिए किया गया है।
- इसका कार्य केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह देना तथा इस अधिनियम से संबंधित मामलों का निवारण करना और निगरानी रखना है।

स्वच्छ भारत अभियान:

- स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत अधिकतर अस्वच्छ शौचालयों को स्वच्छ शौचालयों में परिवर्तित किया गया है, जिससे मैनुअल स्कैवेंजिंग की समस्या में कमी आई है।
- सुरक्षात्मक उपकरणों के साथ सीवर और सेप्टिक टैंक की मशीनीकृत सफाई सुनिश्चित करने की योजना बनाई गई है, ताकि सफाई कार्य में शून्य मृत्यु दर हो और किसी भी कर्मचारी को मानव मल से सीधे संपर्क में न आना पड़े।

नमस्ते योजना:

- नमस्ते योजना के तहत् कचरा बीनने वालों को वर्ष 2024-25 से एक अतिरिक्त लक्ष्य समूह के रूप में जोड़ा गया है।
- इस योजना के तहत् शहरी निकायों में सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों (एसएसडब्ल्यू) का प्रोफाइल तैयार किया गया है, जिनमें पीपीई किट और आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए हैं।
- आपातकालीन प्रतिक्रिया स्वच्छता इकाइयाँ (ईआरएसयू) स्थापित की गई हैं तथा हेल्पलाइन नंबर चालू किए गए हैं।

कार्यों में की गई प्रगति:

- माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 696 जिलों ने नया सर्वेक्षण पूरा कर लिया है और मैला ढोने से मुक्त घोषित कर दिया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- स्वच्छता संबंधी परियोजनाओं के लिए अग्रिम पूंजीगत सब्सिडी को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 7.50 लाख रुपये और 5 व्यक्तियों के समूह के लिए 25 लाख रुपये तक कर दिया गया है।

समस्याएँ और सुधार की आवश्यकता:

- कुछ राज्यों ने एमएस अधिनियम, 2013 के तहत् स्थापित समितियों का गठन नहीं किया है और नया सर्वेक्षण पूरा नहीं किया है।
- सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की गई है, क्योंकि खतरनाक सफाई कार्य के दौरान उनकी जान को खतरा हो सकता है।

सरकार की सलाह:

- सीएमसी ने सभी संबंधित पक्षों को सीवर और सेप्टिक टैंक की मशीनीकृत सफाई के लिए आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी, ताकि सफाई कार्य में शून्य मृत्यु दर सुनिश्चित की जा सके।
- उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित पत्राचार और सभी राज्य स्तरीय समितियों की रिपोर्ट की समीक्षा की जा रही है।

Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

एशिया-प्रशांत प्रसारण विकास संस्थान (एआईबीडी)

चर्चा में क्यों?

- भारत को एशिया-प्रशांत प्रसारण विकास संस्थान (एआईबीडी) के कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष चुना गया है।

मुख्य बिन्दु:

- यह चुनाव फुकेट, थाईलैंड में आयोजित एआईबीडी की 23वीं महासभा के दौरान हुआ, जिसमें भारत ने सर्वाधिक मत प्राप्त किए।
- भारत ने वर्ष 2016 में आखिरी बार इस पद को संभाला था।

एआईबीडी के बारे में:

- एआईबीडी की स्थापना वर्ष 1977 में यूनेस्को के तत्वावधान में हुई थी।
- यह एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें 45 देशों से 92 सदस्य संगठन जुड़े हैं।
  - 26 सरकारी सदस्य, जिनका प्रतिनिधित्व 48 राष्ट्रीय प्रसारकों द्वारा किया जाता है।
  - 28 देशों और क्षेत्रों के 44 संबद्ध सदस्य हैं, जिनमें एशिया-प्रशांत, यूरोप, अफ्रीका, अरब देशों और उत्तरी अमेरिका के सदस्य हैं।
- भारत एआईबीडी का संस्थापक सदस्य है और प्रसार भारती भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करता है।

23वें एआईबीडी महाधिवेशन (जीसी 2025):

- यह महाधिवेशन श्री गौरव द्विवेदी की अध्यक्षता में थाईलैंड के फुकेट में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।
- इस सम्मेलन में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े अंतरराष्ट्रीय हितधारकों ने हिस्सा लिया।
- **सम्मेलन का विषय था—** "जनता के लिए मीडिया, शांति और समृद्धि"।
- यह सम्मेलन नीति विनिमय और संसाधन साझेदारी के माध्यम से एक जीवंत और सहयोगात्मक मीडिया वातावरण बनाने पर जोर देता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सस्टेनेबल पावर 1404 अभ्यास

➲ चर्चा में क्यों?

- 21 अगस्त, 2025 को ईरान ने उत्तरी हिंद महासागर और ओमान सागर में अपने दो दिवसीय मिसाइल अभ्यास "सस्टेनेबल पावर 1404" की शुरुआत की।

➲ मुख्य बिन्दु:

- यह अभ्यास जून, 2025 में कैस्पियन सागर में रूस के साथ 12-दिवसीय "कैसारेक्स 2025" संयुक्त अभ्यास के के बाद ईरान का पहला बड़े पैमाने का सैन्य अभ्यास है, जिसके दौरान इज़राइल ने ईरानी मिसाइल ठिकानों पर हमला किया था।
- इस नौसैनिक अभ्यास में सतह और उप-सतह युद्धपोतों, वायु इकाइयों, मिसाइल (नासिर और कादिर) और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध ब्रिगेडों को शामिल गया।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

ईरान के नौसैनिक बल:

पारंपरिक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान नेवी (IRIN)	इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नेवी (IRGCN)
IRIN ओमान की खाड़ी, हिंद महासागर और कैस्पियन सागर में गश्त करता है।	IRGCN फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण रखता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

भारत में 4 नए सेमीकंडक्टर संयंत्रों को मंजूरी

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) के तहत् 4600 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ चार अतिरिक्त सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजनाओं / संयंत्रों को मंजूरी प्रदान की गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

➲ **मुख्य बिन्दु:**

- **नए स्वीकृत संयंत्र :** तीन राज्यों अर्थात् ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में स्थापित किए जायेंगे।
- **उद्देश्य :** दूरसंचार, ऑटोमोटिव, डेटा सेंटर, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में सेमीकंडक्टर की बढ़ती मांग को पूरा करना।
- **निवेश व रोजगार सृजन:** यह लगभग 46 अरब रुपये (524.39 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का संयुक्त निवेश तथा 2,000 से अधिक कुशल पेशेवरों के लिए रोज़गार सृजन होगा।

भारत ने सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए चार कंपनियों को मंजूरी दी है :

1. **सिससेम (SiCSem) प्राइवेट लिमिटेड :** ओडिशा के भुवनेश्वर में SiCSem प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ब्रिटेन स्थित क्लास-SiC वेफर फैब लिमिटेड के सहयोग से भारत की पहली वाणिज्यिक सिलिकॉन कार्बाइड (SiC) यौगिक अर्धचालक निर्माण सुविधा स्थापित करेगी।
2. **कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (CDIL) :** पंजाब के CDIL मोहाली संयंत्र में अपने उत्पादन का विस्तार करके उच्च-शक्ति वाले असतत् अर्धचालक उपकरणों का उत्पादन करेगी। इसमें सिलिकॉन और सिलिकॉन कार्बाइड तकनीकों का उपयोग करके मेटल-ऑक्साइड-सेमीकंडक्टर फील्ड-इफेक्ट ट्रांजिस्टर, इंसुलेटेड-गेट बाइपोलर ट्रांजिस्टर और शॉटकी बाईपास डायोड का उत्पादन किया जाएगा।
3. **3D ग्लास सॉल्यूशंस इंक :** एक उन्नत पैकेजिंग और एम्बेडेड ग्लास सब्सट्रेट सुविधा स्थापित करेगा, जिसमें ग्लास इंटरपोज़र, सिलिकॉन ब्रिज और 3D हेटेरोजेनियस इंटीग्रेशन मॉड्यूल जैसी तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4. **एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज (ASIP) टेक्नोलॉजीज :** आंध्र प्रदेश में ASIP टेक्नोलॉजीज द्वारा दक्षिण कोरिया की APACT कंपनी लिमिटेड के साथ साझेदारी से विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोगों की सेवा के लिए 96 मिलियन यूनिट की वार्षिक क्षमता वाली एक सुविधा का निर्माण किया जाएगा।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- **कुल स्वीकृत परियोजनाएँ :** 4 संयंत्रों की स्वीकृति के साथ ही भारत के 6 राज्यों में स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या बढ़कर 10 हो गई।
- **भारत का सेमीकंडक्टर बाजार :** वर्ष 2024-25 में लगभग 45-50 बिलियन डॉलर तथा वर्ष 2030 तक 100-110 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया।
- **चौथा सेमीकॉन इंडिया 2025 :** 2 सितंबर, 2025 को प्रधानमंत्री द्वारा नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया 2025 के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया जाएगा।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन :

- **केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित :** दिसंबर, 2021
- **परिव्यय :** 76,000 करोड़ रुपये।
- **उद्देश्य :** वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखलाओं में भारत के एकीकरण को मजबूत करने के लिए सेमीकंडक्टर निर्माण, डिस्प्ले निर्माण और चिप डिजाइन में निवेश के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

‘सेरेबो’ डिवाइस

➲ चर्चा में क्यों?

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) ने एक पोर्टेबल हैंडहेल्ड डिवाइस ‘सेरेबो (CEREBO)’ विकसित किया है, जो मस्तिष्क संबंधी गंभीर रोगों में ब्रेन इंजरी और आंतरिक रक्तस्राव का पता कुछ ही समय में लगा सकता है।

➲ मुख्य बिन्दु:

- **डिवाइस आकार :** हेयर ड्रायर जैसा दिखाई देता हैं।
- **सहयोग :** ICMR मेडिकल डिवाइस एंड डायग्नॉस्टिक्स मिशन सेक्रेटेरिएट, एम्स भोपाल, निमहांस और बायोस्कैन रिसर्च के सहयोग से तैयार किया गया है।
- **विशेषताएँ :** MRI और CT स्कैन मशीन की तुलना में यह डिवाइस काफी छोटा और सस्ता (15 लाख रुपये) है।
- **तकनीक :** सेरेबो मशीन नियर-इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीक पर आधारित है और इसमें लर्निंग एल्गोरिद्म लगा हुआ है, जो मस्तिष्क में रक्त बहने (ब्रेन ब्लीड) और सूजन का पता लगा सकता है।
- **लाभ :** यह तकनीक आपातकालीन स्थितियों में मृत्यु और गंभीर जटिलताओं को काफी हद तक कम कर सकती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

गगनयान मिशन की पहली परीक्षण उड़ान : दिसंबर, 2025

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन ने बताया कि भारत का पहला मानवरहित अंतरिक्ष यान गगनयान मिशन (G1) दिसंबर, 2025 में अर्ध-मानव रोबोट व्योममित्र के साथ प्रक्षेपित किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

गगनयान मिशन

- गगनयान मिशन के तहत् 3 सदस्यों के चालक दल के साथ 400 किलोमीटर की निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में 3 दिवसीय मानव मिशन भेजा जाएगा और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा।
- इसमें दो मानवरहित मिशन और एक मानवयुक्त मिशन शामिल हैं।
- **गगनयान मिशन में आवश्यक तकनीकें :** मानव-चालित प्रक्षेपण यान, एक रहने योग्य कक्षीय मॉड्यूल, चालक दल की बचाव प्रणालियाँ और एक जीवन रक्षक प्रणाली।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **प्रक्षेपण वाहन :** LVM 3 (GSLV MK III) - इसमें क्रू एस्केप सिस्टम (CES) के साथ-साथ ऑर्बिटल मॉड्यूल, ठोस चरण, द्रव चरण और क्रायोजेनिक चरण शामिल हैं।
- **कक्षीय मॉड्यूल (OM) :** यह पृथ्वी की परिक्रमा करेगा, जिसमें क्रू मॉड्यूल (CM) और सर्विस मॉड्यूल (SM) शामिल होंगे।
- **क्रू मॉड्यूल (CM) :** यह अंतरिक्ष यान पर सवार चालक दल के सदस्यों के लिए पृथ्वी जैसा वातावरण वाला एक रहने योग्य स्थान होगा।
- **सेवा मॉड्यूल (SM) :** इसका उपयोग कक्षा में रहते हुए क्रू मॉड्यूल को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए किया जाएगा।
- गगनयान मिशन की सफलता भारत को अमेरिका, रूस और चीन के पश्चात् मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता हासिल करने वाला चौथा देश बना देगी।

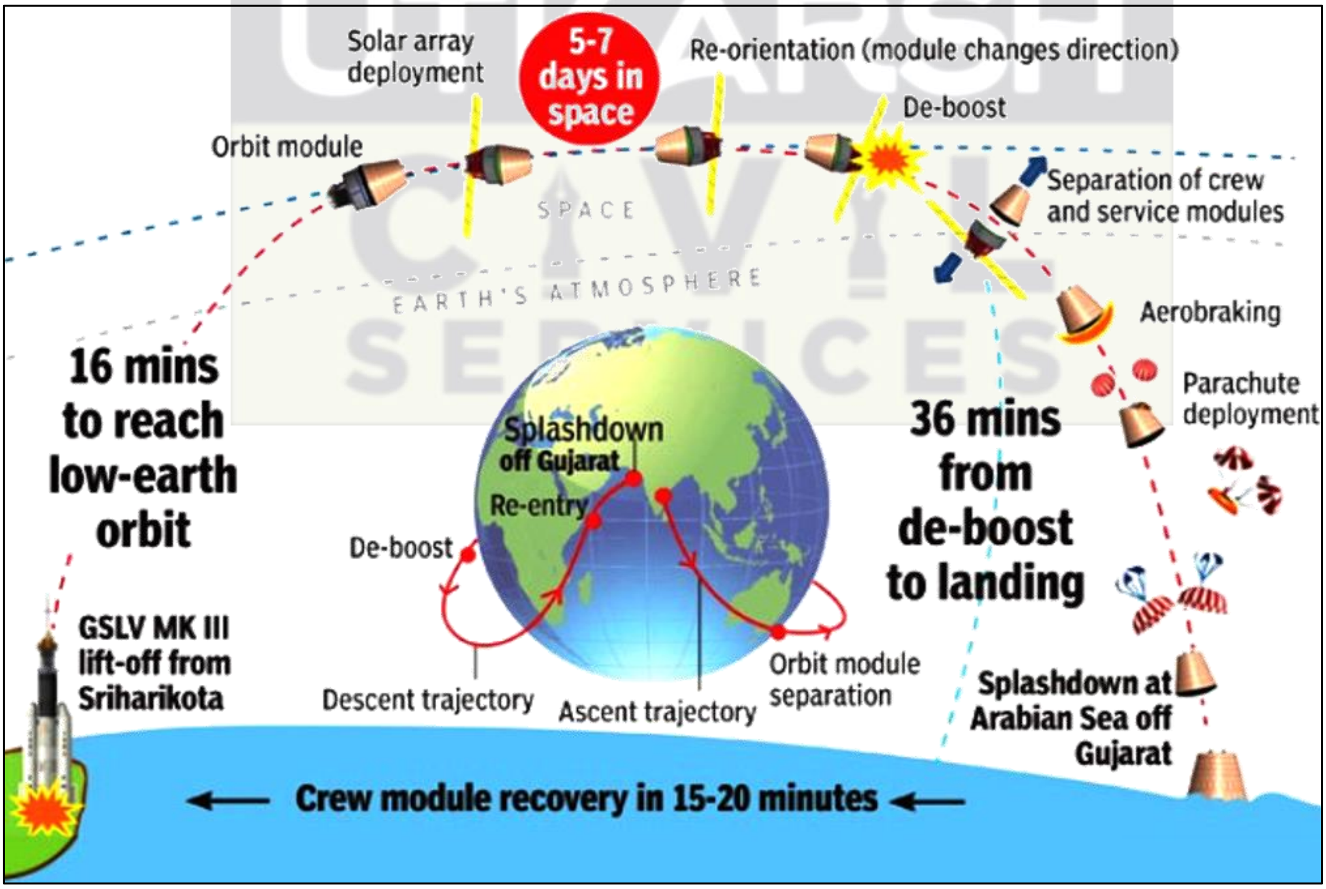

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

यूरेनस के 29 वें चंद्रमा की खोज : NASA

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, नासा ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप द्वारा यूरेनस का एक नया 29वाँ उपग्रह खोजा है, जिसका नाम S/2025 U1 रखा गया।

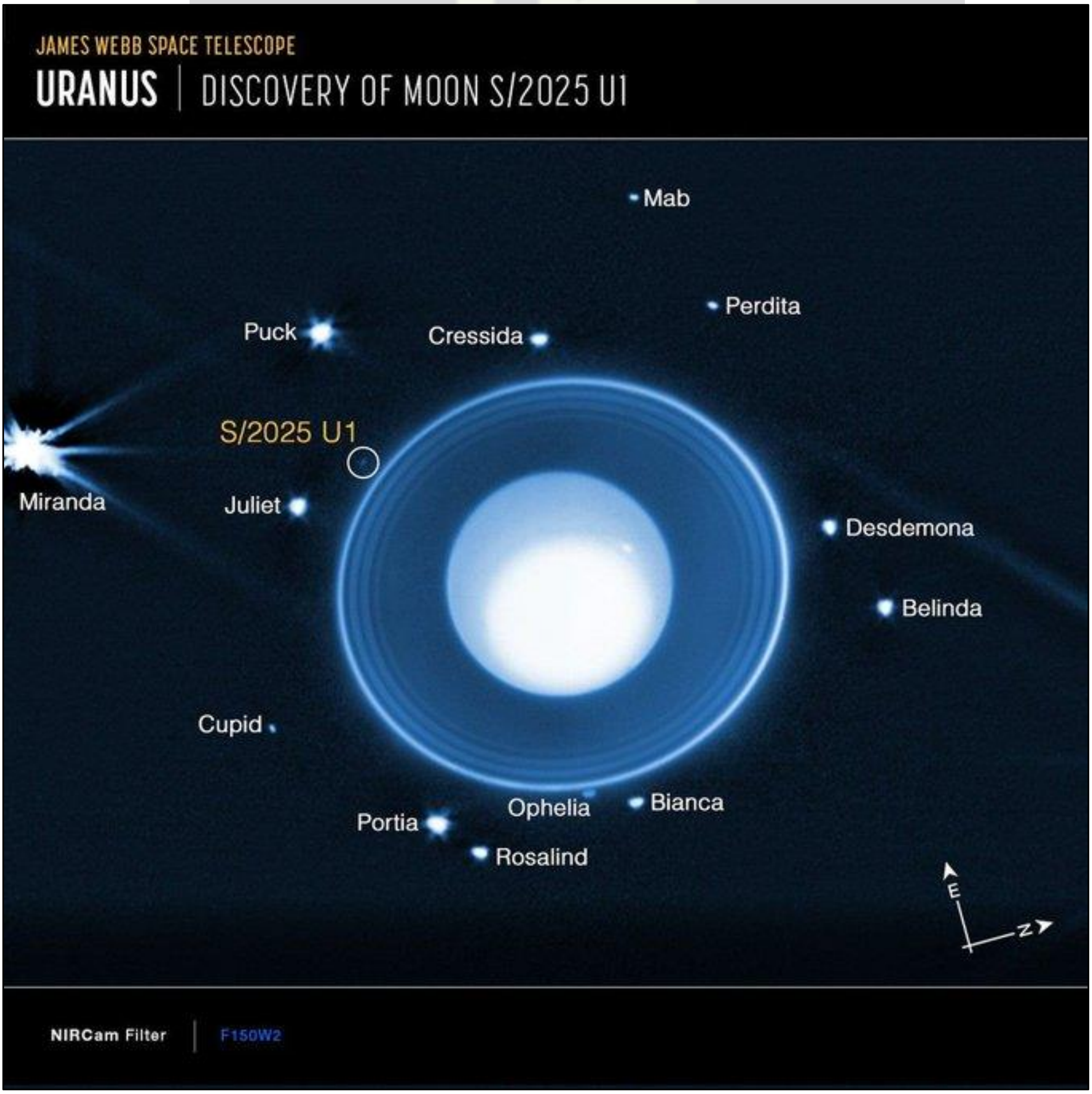

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

➲ **मुख्य बिन्दु:**

- **नासा के अनुसार, साउथवेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (SwRI) के नेतृत्व वाली एक टीम ने 2 फ़रवरी, 2025 को इस चंद्रमा की पहचान की, जिससे इस ग्रह के ज्ञात उपग्रह परिवार की संख्या बढ़कर 29 हो गई।**
- **चंद्रमा का व्यास लगभग 10 किलोमीटर होने का अनुमान है और यह लगभग 56,000 किलोमीटर की दूरी से ग्रह की परिक्रमा करता है।**

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

गोदावरी नदी में ड्यूटेरियम का उपयोग

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने गोदावरी नदी में ड्यूटेरियम के उपयोग से संबंधित जानकारी दी।**

➲ **मुख्य बिन्दु:**

- **ड्यूटेरियम निष्कर्षण तकनीक: तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले के मनुगुरु में गोदावरी नदी के जल से ड्यूटेरियम निकालने के लिए H2S-H2O द्वितापीय रासायनिक विनिमय तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ड्यूटेरियम का महत्त्व:

- **रासायनिक विनिमय:** ड्यूटेरियम एक प्रकार का भारी हाइड्रोजन है, जिसका उपयोग परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में किया जाता है।
- **जल के स्रोत:** इस प्रक्रिया के माध्यम से पानी से ड्यूटेरियम को निकालकर ऊर्जा के उत्पादन में इस्तेमाल किया जा सकता है।

कार्यान्वयन और स्थान:

- तेलंगाना और राजस्थान के दो प्रमुख स्थानों पर यह तकनीक कार्य कर रही है:
  - **मनुगुरु, तेलंगाना:** गोदावरी नदी का जल
  - **कोटा, राजस्थान:** राणा प्रताप सागर झील का जल

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

ब्लू कार्बन मानचित्रण पहल

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने ब्लू कार्बन मानचित्रण पहल के संबंध में जानकारी राज्य सभा में दी।**

➲ **मुख्य बिन्दु :**

उद्देश्य:

- **भारत में मैंग्रोव क्षेत्रों में ब्लू कार्बन भंडार का आकलन करना, ताकि कार्बन अवशोषण क्षमता का मूल्यांकन किया जा सके और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रभावी रणनीतियाँ बनाई जा सकें।**

संस्थाएं और पहल:

- **भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई): पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) के तहत् एफएसआई ने राष्ट्रीय स्तर पर 'मैंग्रोव इकोसिस्टम में कार्बन भंडार का आकलन' नामक परियोजना को शुरू किया।**
- **आकलन क्षेत्र: यह आकलन उन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में किया गया है, जहाँ मैंग्रोव वन पाए जाते हैं।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ब्लू कार्बन आकलन से प्राप्त लाभ:

- **जलवायु परिवर्तन पर प्रभाव:** यह आकलन जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, विशेष रूप से कार्बन बजटिंग और रिपोर्टिंग के लिए।
- **प्राथमिकता वाले संरक्षण क्षेत्रों की पहचान:** कार्बन अवशोषण क्षमता का आकलन करने से संरक्षण के लिए प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान में मदद मिलती है।
- **तटीय समुदायों की सुरक्षा:** यह पहल तटीय समुदायों की सुरक्षा में मदद करती है, क्योंकि मैंग्रोव स्वस्थ पारिस्थितिक तंत्र और आवास की स्थिरता को बढ़ाते हैं।

संबंधित योजनाएँ और पहलें:

- **मिष्टी (मैंग्रोव इनिशिएटिव फॉर शोरलाइन हैबिटेट्स एंड टैंजिबल इनकम्स):** यह तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग से मैंग्रोव की पुनर्स्थापना और प्रोत्साहन के लिए शुरू की गई है। इसका उद्देश्य तटीय समुदायों को सुरक्षित करना और जैविक आवास प्रदान करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण दिवस

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

➲ चर्चा में क्यों?

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की उपलब्धि के उपलक्ष्य में '23 अगस्त' को प्रति वर्ष 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की थी।**
- **भारत ने अपना पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त, 2024 को मनाया।**

➲ मुख्य बिन्दु :

- **प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम के लैंडिंग पॉइंट को 'शिव शक्ति' के नाम से जाना जाएगा तथा जिस स्थान पर वर्ष 2019 में चंद्रयान – 2 की क्रैश लैंडिंग हुई थी, उस स्थान को 'तिरंगा' के रूप में जाना जाएगा।**
- **भारत के चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' के लैंडर 'विक्रम' ने रोवर 'प्रज्ञान' के साथ 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग की। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला देश है। साथ ही, अमेरिका, रूस और चीन के बाद चंद्रमा की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला विश्व का चौथा देश है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **नोट :** वर्ष 2025 के राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर NCERT द्वारा विकसित एक नया शैक्षिक मॉड्यूल 'भारत: एक उभरती हुई अंतरिक्ष शक्ति' लॉन्च किया गया।

भारत के चंद्र मिशन:

मिशन का नाम	प्रक्षेपण यान	लॉन्च की तारीख	महत्त्वपूर्ण बिन्दु
चंद्रयान -1	PSLV – C11	22 अक्टूबर, 2008	चंद्रयान -1 का उद्देश्य चंद्रमा का एक त्रि-आयामी एटलस बनाना और खनिज मानचित्रण का संचालन करना था। चंद्रयान - 1 ने चंद्रमा की सतह पर पानी और हाइड्रॉक्सिल का पता लगाने सहित कई महत्त्वपूर्ण खोजें की।
चंद्रयान - 2	GSLV MkIII-M1	22 जुलाई, 2019	आंशिक सफल। लैंडर और रोवर चंद्रमा की सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए, ऑर्बिटर ने सफलतापूर्वक डेटा एकत्र किया और चंद्रमा के सभी अक्षांशों पर जल की उपस्थिति के संकेत दिये।
चंद्रयान - 3	LVM3 M4	14 जुलाई, 2023	चंद्रयान – 2 की विफलता के बाद इसरो ने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग का दूसरा प्रयास किया। यह मिशन पूर्णरूप से सफल रहा और भारत चंद्रमा के सबसे पुराने क्रेटरों में से एक पर उतरकर चंद्र सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बन गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**प्रेस सेवा पोर्टल** ♦ **लॉन्च :** हाल ही में, भारत के प्रेस रजिस्ट्रार जनरल (PRGI) योगेश बावेजा द्वारा डिजिटल सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म 'प्रेस सेवा पोर्टल' लॉन्च किया गया। **पोर्टल का उद्देश्य :** ♦ अख़बार और पत्रिकाओं के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना। ♦ आवेदन की जाँच और स्वीकृति को डिजिटल माध्यम से तेज़ करना। ♦ निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना। ♦ प्रकाशकों की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों, जैसे विलंब और बिचौलियों की समस्या का समाधान करना। **विशेषताएँ :** ♦ नए सिस्टम के अनुसार, यदि 60 दिनों के भीतर प्राधिकरण की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आती है, तो आवेदन को स्वतः स्वीकृत माना जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **इससे मीडिया क्षेत्र में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में वृद्धि होगी तथा यह डिजिटल इंडिया मिशन और ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस सुधारों से सीधे संपर्क में रहेगा।**

2.

पहली बार पटरियों के मध्य रिमूवेबल सोलर पैनल सिस्टम

- **स्थापित : भारतीय रेलवे ने वाराणसी के बनारस लोकोमोटिव वर्क्स में पहली बार पटरियों के बीच रिमूवेबल सोलर पैनल सिस्टम (सोलर पैनल सिस्टम ऑन ट्रैक) स्थापित किया है।**
- **क्षमता : 70 मीटर ट्रैक पर कुल 28 सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। इसकी क्षमता 15 किलोवाट है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.

वन फ्रीजोन पासपोर्ट

- **लॉन्च :** हाल ही में, दुबई ने D33 आर्थिक एजेंडा के साथ संरेखण तथा वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से "वन फ्रीज़ोन पासपोर्ट" नामक एक एकीकृत लाइसेंसिंग प्रणाली लॉन्च की हैं। इससे कंपनियां सभी फ्रीजोन में एक ही लाइसेंस से काम कर सकेंगी।

विशेषताएँ :

- दुबई के सभी फ्रीज़ोन में एकल लाइसेंस मान्य से समय और लागत की बचत।
- कर छूट, 100 प्रतिशत विदेशी स्वामित्व और अन्य फ्रीज़ोन लाभों तक पहुँच।
- सरलीकृत विनियामक अनुपालन और परिचालन दक्षता।
- **दुबई का D33 आर्थिक एजेंडा :** इसका लक्ष्य 2033 तक दुबई की GDP को दोगुना करना तथा दुबई को शीर्ष तीन वैश्विक आर्थिक शहरों में स्थापित करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4. अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025 : रीना और प्रिया मलिक

- बुल्गारिया के सोफिया में आयोजित अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में भारत की रीना और प्रिया मलिक ने अपने अपने वर्ग में रजत पदक जीते।

	रीना (रजत पदक)	प्रिया मलिक (रजत पदक)
वर्ग	55 किग्रा वर्ग	76 किग्रा वर्ग
स्वर्ण पदक विजेता	एवरेस्ट लेडेकर (अमेरिका)	नादिया सोकोलोवस्का (यूक्रेन)

उत्कर्ष Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **भारत का अब तक का प्रदर्शन :** कुल पदक - 5 (एक स्वर्ण और चार रजत)।
- **भारत का पिछला प्रदर्शन (स्पेन) :** कुल पदक -7 (एक स्वर्ण, एक रजत और पाँच कांस्य), ज्योति बेरवाल ने महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग में एकमात्र स्वर्ण पदक जीता था।

5.

चौथा सेमीकॉन इंडिया 2025

- **उद्घाटन : 2** सितंबर, 2025 को प्रधानमंत्री द्वारा नई दिल्ली में किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

	♦ **उद्देश्य : माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में देश की बढ़ती क्षमताओं और महत्वाकांक्षाओं को प्रदर्शित करना।** ♦ **इस प्रदर्शनी में 18 देशों और क्षेत्रों की 350 प्रदर्शनी कम्पनियों द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।** ♦ **पहली बार इस प्रदर्शनी में जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और मलेशिया के चार अंतर्राष्ट्रीय मंडल शामिल होंगे।**
6.	**भारतीय सिनेमा महोत्सव : श्रीलंका** ♦ **आयोजन : श्रीलंका में ईस्टर्न यूनिवर्सिटी के त्रिंकोमाली में 6 दिवसीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया।** ♦ **उद्देश्य : सिनेमा के माध्यम से भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

7.

अमेरिकी ओपन, 2025

- हाल ही में, इटालियन सारा इरानी और एंड्रिया वावस्सोरी ने पोलैंड की इगा स्वियाटेक और नॉर्वे के कैस्पर रूड को हराकर अमेरिकी ओपन में लगातार दूसरा मिश्रित युगल खिताब जीता।
- सारा इरानी और एंड्रिया वावस्सोरी नए फॉर्मेट में जीतने वाली एकमात्र डबल्स स्पेशलिस्ट जोड़ी हैं।
- इस जोड़ी को 1 मिलियन डॉलर का पुरस्कार प्रदान किया गया था।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR